FILE No. 2

दरिया सागर

बिहार वाले दरिया साहिब का

जा तीन लिपियाँ से महंत फ़्रीजदारदास जी की मौजूदगी में शोध कर छापा गया

और

गृढ़ शब्देाँ और पदेाँ के अर्थ और पाठ-भेद नोट मेँ लिख दिये गये।

[कोई साहिय बिना इजाज़त के इस पुस्तक की नहीं छाप सकते]

इलाहाबाद

वेतावेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्कस में प्रकाशित हुआ सन् १६१६

[दाम हिंदी